

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग I—वण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

98]No. 98]

नई विश्ली, सोमवार, जून 20, 1983/ण्येष्ठ 30, 1905 NEW DELHI, MONDAY, JUNE 20, 1983/JYAISTHA 30, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रक्षा जा सफे

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

	ग्	णिज्य मंत्रालय	1	2	3	4		
	आ र्वज िंक सू च र सई दि	क्यापार नियंत्रण ना सं० 26- ६ ती सी पीए न/83 ल्ली, 18 जून, 1983 1984 की ग्रायात-निर्यात नीति (जिल्ब-2)		_	- -	''केना के प्रस्ताव को स्वोकार कर लिया है ग्रीर यह केवल इस गर्त के ग्रधीन होगा कि लाइसेंस उनके नाम में जारी किया गया हो।		
के हिल् सिक्क संब	र्दी रूपांतर में 19/10/82	शुद्धियां/संशोधनः -{र्मा ∏अरणिज्य मल्लालय को सःवंजनिक	2 5 मद सं० 3, क≀लम-3,पैरा-1			तीमरी पंक्ति के प्रारंभ में ''तथा'' सब्द के स्थान पर ''या'' सब्द पढ़ा जाए ।		
सूचना सं 0 11-ईटीमी (पीएन)/83, दिनांक 15-5-83 के मन्तर्गत प्रकाशित अप्रैल, 1983-मार्च, 1984 के लिए मायात-निर्यात मीति (जिल्ब-2) के हिन्दी क्पान्तर की मोर ध्यान विलोधा जाता है। 2. भायात-निर्यात नीति (जिल्ब-2) के हिन्दी रूपान्तर में निम्न- लिखित गुद्धियां/संगीधन नीचे, निर्दिष्ट उचित स्थानों पर विए गए समझे जाएंगे				7	सद सं० 4 (ग) (2)कालस-3	 पीथी पश्चित में ''वार्कर'' शब्द कें स्थान पर ''वार्कन'' शब्द पढ़ा जाए। दसी पैरा की अंतिम पंक्ति में ''परमिद'' शब्द के बाद ''/'' जिन्ह स्यास जाए। 		
क्र० द्यायान- सं० निर्यास भीति (जिल्द-2	मदर्भ)	मु द्धि या / सं गोधन	4	7	सब सं० 4 (ग) (६)	इसमें कोष्टक के भोतर आए हुए सब्द "रिम्ड" के स्थान पर "रिग्ड" सब्द पद्मा जाए।		
हिंदी रूपांसर की पृष्ठ सं	0		5	- वहा-	म ६ सं ७ ३ (घ) कालम- ३	पैरा 2 में माए हुए शब्द ''विनिर्मित वस्तुक्षी'' के बाव ''/'' चि-ह जोड़ा		
1 2	3	4				जाए ।		
1 3	वै स-3	ग्रंतिम 2 पंक्तियों को संशोधित कर तिस्तप्रकार से पढ़ा जाए	6	-वहा-	मद सं ० 4 (इ.)	इ.स.में झाए हुए "बोटल्स" शब्द के स्थान पर "बीटल्स" शब्द पढ़ा जाए।		

		: : : : : : : : :				
1 2	3	4	1	2	3	4
- 7 9	मद भ ० ७ (ख) कालम-3	1.पैरा 1 को प्रथम पंक्ति में (भारतीव सक्द के स्थान पर ''भारतीय' गब्द	18		कालम-2	कालम-2 में "पैमाइण" शब्द के स्थान पर 'पैलमाइराह" शब्द पढ़ा जाएगा"
		पढ़ा जाए। इ.इ.सी पैरा की द्विताथ पंक्ति से ब्राए	19	1 5	मद सं० 35 (1), कालस- 2	कालम-3 में ''सामन्यि' शब्द केबाद ''ल-इसेम'' शब्द जोड़ा ज(एगा।
		हुए ''निर्धारिप'' शब्द भी हटा दिया जाएगा।	20	16	मद सं० 11 (1), कालम-3	इसमें श्राण क्षुण मध्य 'श्रमार के स्थान पर 'श्रमुमार' पका जाए।
5 11	सद म० 7 (2) कालम-3	इसकी प्रथम पंत्रित में झाए हुए सस्द ''दी'' हुटा दिया जाए ।	21	16	मदर्स० 41 (2), कालम-3	''उच्चलम'' के बाद ''मीसिन'' णब्द जोड़ा जाए।''
) 11	मद म० 7 (5) कालम-उ, पैरा (2)	इसकी दूसरी पक्ति में आए हुए ''अनु- मित'' शब्द के स्थान पर ''अनुमित'' शब्द पढ़ा जाए ।	22		कालम-3	र्ता/ति नं० 2 की तीमरी पंक्ति में ''दर्शाई गई'' फ़ब्दों के स्थान पर ''दर्शाएं गए'' शब्द पढ़े जाएं।
। ∪∼वर्हा−	मद सं० 7 (8), कालम-2	भ्रंतिम पक्ति से भ्राए हुए "किए गए" णब्दों के स्थास पर "की गई" शब्द पढ़े जाएं।	23	19	मद सं० 4.5 (13)(1), कालम-2	वर्तमान मद को निम्न प्रकार से पढ़ा जाए: "कोम ग्रीर लम्प्म जिसमें सीक्षार 2 ग्रो 3 41.99% मे ग्रधिक न हो।"
11 12	मद्रसं० 13, कालम् <i>र</i>	वर्तमान दूसरी पक्षित को निम्न्लिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगाः "से प्रसाणपक्ष प्रस्तुत कन्ने पर पस्तन के लाइसेस प्राधिकारियो द्वारा दी जाएगीः"	24	19	सदर्गः 46 (1), कालम-2	(1) इसी प्रथम पंत्रित में ''गढ़ा हुआ,'' ग्रास्पों के बाद '','' चिन्ह लगाया जाएगा । (2) चौथी पंत्रित के झंत में ''ग्राइंड' गड़द के स्थान पर ''ग्राइंड' शब्द पढ़ा काए ।
12 13	म द स ० 23, कालम-3,पैरा-1	वर्तमात प्रथम पंक्ति को निग्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा "एच पी एम मूंगकर्षा का निर्मात नेफेड के माध्यम से सारणीवढ़ हैं."	25	19	मद स॰ 46 (3), कालम-2	. इस कालम की भीषो पॅक्ति में ''विशि टिकरणं' शब्द के स्थान पर ''विशिष्टिकरणं' शब्द पढ़ा जाए ।
	कालम-2	इसकी प्रथम पंक्ति में ''नकी'' शब्द के स्थान पर ''बुक्षी'' शब्द पढ़ा जाए ।	26	20	मद म० 49(16) कालम-3	, मद सं० 49(16) के मामने की नीति के पैरा-उकी प्रथम पिक्त में "आयात" शब्द के बाद "बचनबद्धता" शब्द
14वहां-	मच स० ७४ (5) कालम-3	कालम-3 की वर्समान नीति मं० (3) को निम्मलिखिन द्वारा प्रतिस्थापित किया जाए: "3 नर्सरी मूल के भ्रत्य बीजराज्य	27	20	मद सं० 50(3), कालम-3	जोड़े जाएं। कालम-3 में नीनि की दूसरी पित्रन में "उच्चतम निर्घारित सीमा के भीतर" भव्द हटा विये जाएं।
	1	प्रमाणन म्रसिकारण/वागवानी विभाग से इस श्रामय का प्रमाणपत्र प्रस्तृत करने पर कि वीज नर्सरी मूल के	28	21	मदसं० 55(1) (ख),कालम-3	नीमि के पैरा-2 की दूसरी पक्षित में "शिक्षाप्रद फिल्मों" णक्दो के स्थान पर 'क्षा चित्र'' णब्द पढ़े जाएं।
		है तो पत्तन के लाइसेस प्राधिकारियों द्वारा निर्यात की झनुमति दी जाएगी।''	29	21	मय सं० 59, . कॉलम-3	अभ्युक्ति सं० 2 की प्रथम पंक्ति के अंस में से "जी" मध्द हटा विधा जाए और उसी की चौथी पंक्षि में आंकड़े
15 16	1 मवस० 24 (७) कालम-3	, मर्सत उ की अंतिम पंक्ति के प्रारंभ "कि बीज नर्सरें। मूल के हैं" शब्द				"14" के स्थान पर आंकड़े "।/4" पढ़ा जाए।
		जोडे जाएंगे झौर झंत में ''कि ये बीज नर्सरी मूल के नही है'' हटा	30	23	मवासं० 62 (3) (ग),कालम-2	इसकी दूसरी पंक्तिके प्रायम्भ में ''और'' सम्ब जोड़ा जाए।
16 1	1 स व मं ० 24 (7)	दियः जाए । ।, ''ग्रनमति'' लब्द के स्थान पर ''ग्रनुमति''	31	22	मद सं2 62(3) (ग),कालम-3	प्रथम पंक्ति में "में" शब्द के साथ "योजक" शब्द जोड़ा जाए।
17 1	कालम-3 5 मदस० ३२, कालम-3	शब्द पढ़ा जाए । (1) मद स० 32 (1) के लाकम 3 की नं≀ित मद स० 32 (3) के	3.2	24	. म र सं ० 69, कालम-2	''6 एस काउंटम और इससे अधिक काउंट'' शब्दों के स्थान पर ''सभी काउंटों'' सब्द पढ़े जाएं।
		भः नात सद स० उ.४ (३) क ४ कालम-३ गी नीति द्वारा प्रतिस्थापित की जाएगी ।	33	28	5 मद सं० 70(6), कालम-३	
		(2) मन सं० 32 (2) के कालम-3 की नीति मध सं० 32 (1) के कालम-	34	28	5 मदसं० 70 (15)कालम-2	दूमरी पंक्ति में आए हुए "समी प्रकार के" शब्द हटा दिए जाए।
		3 को नीति द्वारा प्रतिस्थापित की जाएगी।	35	2 9	5 मव मं० 71, क(लम-3	"सार णीयक" शब्द के स्था न गर "भरणी सक्य" शब्द पड़े जाएँ।

l	2	3	4	1	2	3	4
36		मद सं० 77(3) (2)(2),कालम-	प्रधास पंक्षित के अंत में ''बैग'' शक्त के स्थान पर ''बैग्नेस' शक्त पढ़ा जाए।	5 3	85	 मदसं० 14	इस मह संब के अंत में आयी हुई प्रवि- टिटया हटा दी गई समझो आएं।
37	27	2 मद स० 77(3) (2)(6), कलम- '}	इसकी दूभरी पंक्षित में आए हुए ''शामिल है' शब्द हुटा दिए जाएंगे और जो थी पंक्ति के अंत में शब्द ''शामिन हैं'' जोड़े जाएंगे।	53	86	मद सं० 41(1)	इस मय सं० में आई हुईप्रविध्टि को निम्न प्रकार में संगोधन कर पढ़ा जाए: "इलैक्ट्रालिटिक, अग्नि सोशुद्ध किया हुआ एवं बलिस्टर साबा, जो इगट, सार,
38		मद सं० 80 (9), कालम-2	श्रीणयों में" जोड़े जाएंगे और दूसरी पक्ति के प्रारंभ में "कब्द" सभी श्रीणयों"				श्वास, ब्लूम, स्लैब्स, क्रीक्स, टाइस्स, श्विषम, जिल्लेट्स, स्क्रीग एवं कैयोइस के रूप में ही।"
			हुटा थिए जाएंगे।	54	87	मवस० 43	इसे हटा दिया गया समझा जःए।
39	29	भवस० ४४, कालम-३	अच्युक्ति सं० 3 की तीसरी पंक्ति में ''एक्सक्रूबन्स'' कब्द के स्थान पर	5.5	87	मद सं 54	-वही-
			''एक्सट्रूशन्म'' शब्द वढ़ा जाए।	56	87	मद सं० 71	कोष्ठक में आए हुए ग्रब्ब ''असंमाधित'' के स्थान पर ''संसाक्षित'' मध्य पड़ा
40	34	अन् बध 1, ऋम सं० 11(1),	इसकी तीसरीं पांक्त में आर हुए 'अःस्त" शब्द के स्थान पर "अरस्त" लब्द				क स्थान पर ससाम्यतः सक्द पढ़ाः जन्नए।
		स्यात्तात्ता, कॉलम-ध	पक्षाआए।	57	88	भाग " य "	"तें" शब्द के स्थान पर "भैते" जब्द
41	3.5	क्रम सं० 48,	''नींब'' शब्द के स्थान पर ''नींकू'' शब्द	37	3.0	मद तं॰ (2)	पद्गा जाए।
		कालम- }	पढ़ा जाए।	58	88	मदस० 4(ग)	कोष्ठक में आए हुए ग्रन्द ''रेजी'' के
42	38	अनुबंध-3	निम्नलिखित को अनुबंध ४ के नीचे			(4)	स्थान पर "रोजी" मन्द पद्मा जाए।
			क्षीर्वक के रूप में पढ़ा जाएगा.⊸ "अश्रक के विभिन्न प्रकारों/वर्गों और किस्मों के जहाज तक निस्क/जहाज	59	88	मवसं 7(2) (7)	दूसरी प क्ति के अन में "टा" के स्थान पर "टांगें" शब्ध पढ़ा जाए।
			पर्यन्त निःशुल्क मृष्य और लुनके निर्यात पर नागृहीने वाली झर्नों को दशकि वाली मृद्य अनुदक्षी''	60	92	मंब सं० 70 (14)	वर्तमान प्रविध्यिको संगोधित कर तिस्त प्रकार से पढ़ा जाए: "द्विपकीय वस्त्र समझौतों के अंतर्गत नहीं
43 9	पुष्टमं ० 39	भनुबंध-क, कालम 14-15	पर ''एस०टी०डी०बी०'' शब्द पड़ा आए।				आने वाले देशों को नियाभित सभी प्रकार की पीवाकों एवं सिलाई से बनाए हुए पहनावे एवं उन देशों के मामले में जिनके साथ भारत के इस
44		,	''जैसा'' शब्द केस्थान पर ''जैस्प'' शब्द म-⊺ पढ़ाजाए।				प्रकार के समझौते किए हैं, ऐसे सम- सौतों के प्रावधानों के अधीन नहीं
4.5	68	मदसं० (स्र), कालम-।	''औ' शब्द के स्थान गर ''औंस'' झब्द पदाजाए।	C.I.	0.0	सम्बंद २०(१४	आने वाली मर्दे।") वर्तमान प्रविष्टि को संगीधित कर मिन्त
46	63	3 मदसं० २, कालम-1	इसकी 17वीं पंक्ति में 'कील' मध्य के स्थान पर 'कील' झक्द पढ़ा जाए।	61	94	नवस्य १०(14	प्रकार पढ़ा जाए: "दिपक्षीय वस्त्र सम्मौते के अंगीत नहीं
47	68	- नर्ह ः-	29वीं पंत्रित में 'कील' शब्द के स्थान पर ''कील' शब्द पढ़ा जाए।				.आने बाले देशों को निर्याणित कपड़े और तैयार पीक्षाकों एवं उन देशों के
1 14	69	-बही-, कालम _् 1 -	ा6वीं और 17वीं पक्तिऔर 31वीं पंक्ति में "कील" शब्द के स्थान पर "कील" शब्द पढ़ा जाए।				मामले में जिनके साथ भारत ने इस प्रकार के समझौते किए हैं, ऐसे सम- ज्ञौतों के प्रावधानों के अधीन नहीं
49	70	क्रालय -1, य द सं०-5	''रोडिस" सब्द के स्थान पर ''रोडस' भव्य पढ़ा जाए।	62	93	म द सं० 77(2)	आने वाले कपड़े और तैयार पोशाकें।" वृसरी पंक्ति में आए हुए ग्रव्य "गामिल
50	71	क।लस-1, गार्थक "डिजा इ न रंग	''स्टेसिलाइज्ड'' शब्द के स्थान पर ''स्टेसिल्ड'' शब्द पढ़ा जाए।			(6)	है,"को हटा कर अंत में "कार्य" सब्ध के बाद में जोड़ दिया जाए।
		भिन्नता की समं- जिल दरें ' के अतर्गत मुख स०		63	93	म€स० 77(2) (21)	दूसरी पितन में ''सिविज'' एब्द के स्थान पर ''सिविज' एक्द पढ़ा जाए।
		अतगत म व स० (ख)		64	93	मदर्भ ० ८०	प्रथम पिक्ष में "स" गध्र हटा दिहा
51	73	''मजावट'' जीवं क के अंतर्गरा सद सं •	•				जाए। "ममिन" शब्द के स्थान पर सिनिन"

ı	2	3	4	1	2	ა		4
66	97	मदस॰ 4(3) (ड),कालम• 2	"ग्रिपम" णब्द के स्थान अर्र "गिम" शब्द पक्षा जाए।	71	111	मद स० 68 (1), कलस 4		"भारतीय मृत्य" के बाद जाडा ज'ए।
67	97	मध् सं० (४), क⊦लम-उ	"।8" अक के स्थान पर "15" पढ़ा जाए।	73	11 t	मद म० 68(३) (३1), फानन-३		"सजावदी" सब्ब के बाद जाजा जाए।
68	98	मदः स० 16(क), क।लम-उ	"ख-2.0"के बाद "क" शब्द और जोड़ा जाए।	73	115	मद र० ३१		अए हुए शन्द "जूने" स शब्द जोडा जाएगा।
60	102	मद सं० ४1(ज), कालम-४	तीसरी पंक्ति से ''सुदे'' शब्द के स्थान पर ''सदें' शब्द पंहा जाए।				4	a same and
70	102	मद स० 30, कालम 4	प्रयम पक्ति में "आयुक्त" शब्द के स्थान पर "नियत्रक" शब्द पक्का जाए।				पी० ः	मी० जै न, मुख्य नियत्रेक आयात निर्यात